



## विचार बिन्दु

देश का उद्धार विलासियों द्वारा नहीं हो सकता। उसके लिए सच्चा त्यागी होना आवश्यक है। -प्रेमचंद

## भ्रष्टाचार अब बुरा नहीं है!



संपर्कें इंटरनेशनल द्वारा हर बरस ज्ञारी होने वाला प्रधाचार बोध सूचकांक (करण्णन परसेशन इंडेक्स) 2024 घटारे सामने है। इस सूचकांक में भारत कुल 180 दरों की सूची में 9.6 वें स्थान पर है। पिछले बरस के मुकाबले इस बरस हम एक पायदान नीचे उतरे हैं। पिछले बरस हमें एक सौ में से 3.9 अंक मिले थे (सौ अंक सभी उत्तम, शून्य अंक सबसे खराब), इस बार 3.8 अंक मिले हैं। सन् 2022 में हमारे पास 40 अंक थे। मतलब यह कि इस सूचकांक के अनुचार हमारे यहां प्रधाचार बढ़ा है। वैसे मात्र एक अंक कम होने से हमारी रैकिंग नीचे उत्तर याद देता लेना भी अनुचार नहीं होगा कि सन् 2016 में प्रधानमंत्री ने पायदान नीचे उत्तर याद देता लेना भी अनुचार होगा कि सन् 2016 में प्रधानमंत्री ने जो बुराई की कमर तोड़ देने के दावे किए गए थे। अब भी बहुत सुमिक्षण है कि सरकारी प्रवक्तव्य इस सूचकांक को भारत की छवि बदलने वाला और दुर्भावनापूर्ण बता दे ऐसा हमेशा ही होता है।

इस प्रधाचार सूचकांक के अनुचार वैशिक और मात्र 43 अंक हैं और यह कई बरस से एक ही जारी ठहरा रहा है। लेकिन यह भी एक सर्वाई है कि दूसियों के दो-तीव्राई दरों के अंक परसेशन से कम है। ज़ाहिर है कि दूसियों की आवादी का बहुत बड़ा हस्तिया प्रधाचार बढ़ाता है। वैसे कम से कम 3.2 दरों ऐसे हैं जो दूसियों सन् 2012 के बाद से बढ़ाता है। अर्थात् अपने यहां प्रधाचार को कम करने में कामयादी हासिल की है, लेकिन यह खुशी इस तथ्य से कम हो जाती है कि कम से कम 148 दरों ऐसे हैं जिनमें या तो प्रधाचार जहां या वहां ठहरा है या किर बढ़ा है। इस बार के सूचकांक में जलवायु परिवर्तन के संबंध में प्रधाचार की विवाद चर्चा की गई है और कहा गया है कि सारी नियामों ने बहुत बड़ी जलवायु वैशिक तापन ('ग्लोबल हीटिंग') के गंभीर दुर्घात्मण में भाग लिया है क्योंकि ग्रीनहाउस गैस खाली का बढ़ावा देकर सरकारी साफ-साफाई जैसे कामों के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

मुझे इस सूचकांक का संस्करण बात यह लगती है कि प्रधाचार को बहुत साफ तरह से समझा गया था। सामान्यतः हमारी भी गलत काम को और खास तौर पर जिससे धराशी का लेन-देन नहीं हो, प्रधाचार कहते हैं कि जलवायु के कारण जाते वाले बढ़ावा देकर अपनार प्रदर्श शक्तियों का निजी लाप्ता के लिए दुरुपयोग प्रधाचार है। प्रधाचार को बहुत से विवाद नष्ट होता है, लोकतंत्र कमज़ोर होता है, अधिकारी विभाजन और पर्यावरणीय संकट में बढ़ाती होती है। सूचकांक के अनुसार प्रधाचार तभी उत्ताप होगा और प्रधाचारी पराएं तभी कार्यवाही होगी जब हम यह समझ जाएंगे कि प्रधाचार होता है।

सूचकांक में जलवायु परिवर्तन के संबंध में प्रधाचार की विवाद चर्चा की गई है और कहा गया है कि सारी नियामों ने बहुत बड़ी जलवायु वैशिक तापन ('ग्लोबल हीटिंग') के गंभीर दुर्घात्मण में भाग लिया है क्योंकि ग्रीनहाउस गैस खाली का बढ़ावा देकर सरकारी साफ-साफाई जैसे कामों के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

यहां तक कि सारी नियामों ने यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है।

यहां सबसे अहम काम की कठीन है वह यह कहे कि प्रधाचार से लड़ने के लिए हमें पारदर्शिता को अपनाना चाहिए। पारदर्शिता का अर्थ है कि कौन, क्यों, कैसे और कितना - इन सवालों का जवाब जानना। इस बात को अगर और साफ किया जाता तो यह कि औपचारिक और अनौपचारिक अंतर्वारिक नियामों, योजनाओं प्रयोगिक और अंतर्वारिक को पूरी तरह उत्तम करना। असल में पारदर्शिता हमें अर्थात् आम जन को जन हित के लिए सक्षम करती है। सूचना चाहना और प्राप्त करना मानवाधिकार के खिलाफ सुरक्षा प्राप्त होती है। ध्यान देने की बात यह है कि पारदर्शिता का अंतर केवल सूचना हासिल हो जाना ही नहीं है, यह भी है कि सूचना आसानी से प्राप्त की जा सके और वह इस रूप में हो कि आम नागरिक भी उसे समझ और उसका प्रयोग कर सके।

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए कितनी लंबी लड़ाई रही और कैसे वह अधिकारी प्राप्त किया गया लेकिन इस कथा का एक स्थाय पक्ष यह भी है कि हमारे प्रश्नानां और सरकारों ने क्रमशः इस सूचना के अधिकारों को नियमित विभागों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है। अब यहां काम करने के लिए दुरुपयोग प्रधाचार है। अधिकारी को बहुत से विवाद नियन्त्रित करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो बात ही क्या करें?

हो कि आम नागरिक भी उसे समझ और उसका प्रयोग कर सके। यहां यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो बात ही क्या करें?

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो बात ही क्या करें?

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो बात ही क्या करें?

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो बात ही क्या करें?

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो फिर उसे होनी चाहिए।

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो फिर उसे होनी चाहिए।

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो फिर उसे होनी चाहिए।

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो फिर उसे होनी चाहिए।

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो फिर उसे होनी चाहिए।

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देते जलवायु संकट को नियन्त्रित करने की तो फिर उसे होनी चाहिए।

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम की अधिकारी प्राप्त करने के लिए एक ऐसी नियामों की ओरीया या अनुचारियों को नियमित बदला देता है जो वहां काम करने के लिए नियन्त्रित धनराशी की ओरीया या दुरुपयोग हो रह











"हमारे माननीय प्रधानमंत्री का विकासित भारत का सपना तभी सकार हो सकता है"

- मनसुख मांडिविया

संदेश ऑन साइकिल की यह पहल फिट जीवन जीने के महत्व को प्रचारित करती है।

# खेल जगत्



## एएम गजनफर

चैपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद अफगानिस्तानी स्पिनर एम गजनफर 2025 में 4.80 करोड़ रुपये में खरीदा था। तब मुजीब अनसोल्ड रहमान को अपने साथ जोड़ा है। टीम ने 19 साल के मुजीब को मुंबई ने 2 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। टीम ने 19 साल के गजनफर को मेंगा ऑक्सन में 4.80 करोड़ रुपये में खरीदा था। तब मुजीब अनसोल्ड रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, का मौजूदा सीजन 22 मार्च को आपने जागी और अफगानिस्तान से भी खेलेगा।

क्या आप जानते हैं? ... क्रिकेट खिलाड़ियों की आत्म कथाओं की पुस्तक का सबसे छोटा नाम पाकिस्तानी क्रिकेटर जहीर अब्बास की पुस्तक का है। इसका शीर्षक जेड है।

साथ जोड़ा है। टीमने 19 साल के गजनफर को मेंगा ऑक्सन में 4.80 करोड़ रुपये में खरीदा था। तब मुजीब अनसोल्ड रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, का मौजूदा सीजन 22 मार्च से शुरू हो रहा है। आपनें मैच कोलकाता और बैंगलुरु के बीच खेला जाएगा।

## इंग्लैंड के ओपनर डकेट चैपियंस ट्रॉफी के लिए फिट

लंदन इंग्लैंड के सलाही बल्लेबाज बेन डेकेट अगले सप्ताह पाकिस्तान में शुरू होने वाली चैपियंस ट्रॉफी में हम्सा लेने के लिए फिट हो गए हैं। बीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को अहमदाबाद में तीसरे एक दिवारीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत के बायें खिलाड़ियों ने भारत के बायें खिलाड़ियों को बीटा हो गई है। इंग्लैंड बंगलवार को संयुक्त अमेरिका से पाकिस्तान की यात्रा करेगा। फिटर्या को लाहौर में अपने शुरुआती ट्रॉफी रेस में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। इंग्लैंड अपने ट्रॉफी रेस में भी खेलेगा।

## चोटिल गजनफर की जगह मुजीब मुंबई में शामिल

मुंबई चैपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद अफगानिस्तानी स्पिनर एम गजनफर 2025 में भी बाहर हो गए हैं। टीम ने गजनफर की जगह अफगानिस्तान के ऑफ स्पिनर मुजीब-उर-रहमान को अपने साथ जोड़ा है। 24 साल के मुजीब को मुंबई ने 2 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। टीम ने 19 साल के गजनफर को मेंगा ऑक्सन में 4.80 करोड़ रुपये में खरीदा था। तब मुजीब अनसोल्ड रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, का मौजूदा सीजन 22 मार्च को आपने साथ जोड़ा है। 24 साल के मुजीब को मुंबई ने 2 मुंबई को 2 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। टीम ने 19 साल के गजनफर को मेंगा ऑक्सन में 4.80 करोड़ रुपये में खरीदा था। तब मुजीब अनसोल्ड रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, का मौजूदा सीजन 22 मार्च से शुरू हो रहा है।

ओपनिंग मैच कोलकाता में भी उहूं किसी टीम में भी खेले जाएंगे। 18 मई तक लीग स्टेजे के 70 मैच होंगे, जिनमें 12 डबल होंगे। यानी 12 बार 1 मैच में 2 मैच खेले जाएंगे। फाइनल 25 मैच को कोलकाता में होंगा।

फाइनल 25 मैच को होगा, कोलकाता में 23 मई को कोलालिफायर-2 भी खेला जाएगा। पिछले

मैच को होगा, कोलालिफायर-1 भी खेला जाएगा।

हैदराबाद और कोलकाता में प्लेऑफ मैच

में अपराध हो रही है कि दूनमेंट को ऑपनिंग और

फाइनल मैच डिंडिंग चैपियंस ट्रॉफी को होमग्राउंड

पर खेला जाता है। इसकी शुरुआत 2008 में 8 टीमों के साथ हुई थी। राजस्थान ने चेन्नई को फाइनल हारकर पहले सेवन का टाइटल जीता था। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंस के बीच चेन्नई चेन्नई सुपर किंस ने सबसे ज्यादा 5-5 टाइटल जीता है। 3 खिलाड़ जीतकर तीसरी सबसे सफल टीम है।

चैपियंस ट्रॉफी के 12 दिन बाद चैपियंस

ट्रॉफी का फाइनल 9 मार्च को होगा। इसके 12

दिन बाद शुरू होगा यानी दोस्तों को तैयारी के

लिए 2 हजार भी टीके से नहीं मिलेंगे। चैपियंस ट्रॉफी 19 मार्च को शुरू होगी। दूनमेंट पाकिस्तान और दुबई में होना है। भारत का पहला मैच 20 मार्च को बांगलादेश से है। टीम इंडिया दुबई के लिए रवाना हो चुकी है।

प्रशंसन द्वारा जीता है।

